वकारादि श्री वराह अष्टोत्तर शतनामावळि

1. ॐ वराहाय नमः
2. ॐ वरदाय नमः
3. ॐ वंद्याय नमः
4. ॐ वरेण्याय नमः
5. ॐ वसुदेवजाय नमः
6. ॐ वषट्काराय नमः
7. ॐ वसुनिधये नमः
8. ॐ वसुधोद्धरणाय नमः
9. ॐ वसवे नमः
10. ॐ वसुदेवाय नमः
11. ॐ वसुमतीदंष्ट्राय नमः
12. ॐ वसुमतीप्रियाय नमः
13. ॐ वनधिस्तोमरोमांधवे नमः
14. ॐ वज्ररोम्णे नमः
15. ॐ वदावदाय नमः
16. ॐ वलक्षांगाय नमः
17. ॐ वश्यविश्वाय नमः
18. ॐ वसुधाधरसन्निभाय नमः
19. ॐ वनजोदरदुर्वारविषादध्वंसनोदयाय नमः
20. ॐ वल्गत्सटाजातवातधूतजीमूतसंहतये नमः
21. ॐ वज्रदंष्ट्राग्रविच्छिन्नहिरण्याक्षधराधराय नमः
22. ॐ वशिष्टाद्यर्षिनिकरस्तूयमानाय नमः
23. ॐ वनायनाय नमः
24. ॐ वनजासनरुद्रेंद्रप्रसादित महाशयाय नमः
25. ॐ वरदानविनिर्धूतब्रह्मब्राह्मणसंशयाय नमः
26. ॐ वल्लभाय नमः
27. ॐ वसुधाहारिरक्षोबलनिषूदनाय नमः

28. ॐ वज्रसारखुराघातदलिताब्धिरसाहिपाय नमः
29. ॐ वलद्वालोत्कटाटोपध्वस्तब्रह्मांडकर्पराय नमः
30. ॐ वदनांतर्गतायातब्रह्मांडश्वासपद्धतये नमः
31. ॐ वर्चस्विने नमः
32. ॐ वरदंष्ट्राग्रसमुन्मीलितदिक्तटाय नमः
33. ॐ वनजासननासांतर्हंसवाहावरोहिताय नमः
34. ॐ वनजासनदृक्पद्मविकासाद्भुतभास्कराय नमः
35. ॐ वसुधाभ्रमरारूढदंष्ट्रापद्माग्रकेसराय नमः
36. ॐ वसुधाधूममषिका रम्यदंष्ट्राप्रदीपकाय नमः
37. ॐ वसुधासहस्रपत्रमृणालायित दंष्ट्रिकाय नमः
38. ॐ वसुधेंदीवराक्रांतदंष्ट्राचंद्रकलांचिताय नमः
39. ॐ वसुधाभाजनालंबदंष्ट्रारजतयष्टिकाय नमः
40. ॐ वसुधाभूधरावेधि दंष्ट्रासूचीकृताद्भुताय नमः
41. ॐ वसुधासागराहार्यलोकलोकपधृद्रदाय नमः
42. ॐ वसुधावसुधाहारिरक्षोधृच्छृंगयुग्मकाय नमः
43. ॐ वसुधाधस्समालंबिनालस्तंभ प्रकंपनाय नमः
44. ॐ वसुधाच्छत्ररजतदंडच्छृंगमनोहराय नमः
45. ॐ वतंसीकृतमंदाराय नमः
46. ॐ वलक्षीकृतभूतलाय नमः
47. ॐ वरदीकृतवृत्तांताय नमः
48. ॐ वसुधीकृतसागराय नमः
49. ॐ वश्यमायाय नमः
50. ॐ वरगुणक्रियाधाराय नमः
51. ॐ वराभिथाय नमः
52. ॐ वरुणालयवास्तव्यजंतुविद्राविघुर्घुराय नमः
53. ॐ वरुणालयविच्छेत्रे नमः
54. ॐ वरुणादिदुरासदाय नमः
55. ॐ वनजासनसंतानावनजात महाकृपाय नमः
56. ॐ वत्सलाय नमः

57. ॐ वह्निवदनाय नमः
58. ॐ वराहवमयाय नमः
59. ॐ वसवे नमः
60. ॐ वनमालिने नमः
61. ॐ वंदिवेदाय नमः
62. ॐ वयस्थाय नमः
63. ॐ वनजोदराय नमः
64. ॐ वेदत्वचे नमः
65. ॐ वेदविदे नमः
66. ॐ वेदिने नमः
67. ॐ वेदवादिने नमः
68. ॐ वेदवेदांगतत्त्वज्ञाय नमः
69. ॐ वेदमूर्तये नमः
70. ॐ वेदविद्वेद्य विभवाय नमः
71. ॐ वेदेशाय नमः
72. ॐ वेदरक्षणाय नमः
73. ॐ वेदांतसिंधुसंचारिणे नमः
74. ॐ वेददूराय नमः
75. ॐ वेदांतसिंधुमध्यस्थाचलोद्धर्त्रे नमः
76. ॐ वितानकृते नमः
77. ॐ वितानेशाय नमः
78. ॐ वितानांगाय नमः
79. ॐ वितानफलदाय नमः
80. ॐ विभवे नमः
81. ॐ वितानभावनाय नमः
82. ॐ विश्वभावनाय नमः
83. ॐ विश्वरूपधृते नमः
84. ॐ विश्वदंष्ट्राय नमः
85. ॐ विश्वगर्भाय नमः

86. ॐ विश्वगाय नमः
87. ॐ विश्वसम्मताय नमः
88. ॐ वेदारण्यचराय नमः
89. ॐ वामदेवादिमृगसंवृताय नमः
90. ॐ विश्वातिक्रांतमहिम्ने नमः
91. ॐ वन्यभूपतये नमः
92. ॐ वैकुंठकोलाय नमः
93. ॐ विकुंठलीलाय नमः
94. ॐ विलयसिंधुगाय नमः
95. ॐ वप्तःकबलिताजांडाय नमः
96. ॐ वेगवते नमः
97. ॐ विश्वपावनाय नमः
98. ॐ विपश्चिदाशयारण्यपुण्यस्फूर्तये नमः
99. ॐ विशृंखलाय नमः
100. ॐ विश्वद्रोहिक्षयकराय नमः
101. ॐ विश्वाधिकमहाबलाय नमः
102. ॐ वीर्यसिंधवे नमः
103. ॐ विवद्बंधवे नमः
104. ॐ वियत्सिंधुतरंगिताय नमः
105. ॐ व्यादत्तविद्वेषिसत्त्वमुस्ताय नमः
106. ॐ विश्वगुणांबुधये नमः
107. ॐ विश्वमंगलकांतारकृत लीलाविहाराय नमः
108. ॐ विश्वमंगलदोत्तुंगकरुणापांगाय नमः

|| इति वकारादि श्री वराह अष्टोत्तर शतनामावळि समाप्तं ||